



नागरिक सुरक्षा की दिशा में हेमंत सरकार की पहल

शहर में लगाया गया 50 इमरजेंसी कॉल बॉक्स

आपात स्थिति में बटन दबाते ही लिलौती तरित मट्ट

सड़क दुर्घटना, घेन स्नेचिंग, गोलीबारी, मारपीट, छेड़खानी होने पर ले सकते हैं गढ़



किस-किस प्रकार की मदद दिलायी जा सकती है

सड़क दुर्घटना, घेन स्नेचिंग, गोलीबारी, मारपीट, छेड़खानी या कोई अन्य आपातक वारदात होती है तो तुरंत मदद के लिए इस बॉक्स का उपयोग किया जा सकता है। यह जल्दी नहीं है कि पीड़ित ही फोन करें। प्रत्यक्षदर्शी भी मदद पहुंचने के लिए कॉल कर सूचना दे सकता है। यदि आपास के लिए औंग लग जाये तो भी या तो पीड़ित या आपास के लोग प्रयारग्रिड से लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

अब अगर आप किसी आपात स्थिति का सामान कर रहे हैं तो जैसे कि आप सड़क से गुजर रहे हैं और आपके साथ या आपके सामने किसी के साथ कोई दुर्घटना हो जाती है तो आगे बढ़ने के लिए साम्या बताते ही स्मार्ट सिटी और पुलिस बातों को लेकर कहा जाता है। एक तरफ जांबां कमांड कंट्रोल एंड कार्यानुकैशन सेंटर की मदद से पूरे शहर में स्वचालित यातायात प्रबंधन किया जा रहा है तो दूसरी ओर अपाराधिक नियंत्रण और उसके उद्देश्न में भी कमांड सेंटर से मदद ली जा रही है।

अब अगर आप किसी आपात स्थिति का सामान कर रहे हैं तो जैसे कि आप सड़क से गुजर रहे हैं और आपके साथ या आपके सामने किसी के साथ कोई दुर्घटना हो जाती है तो आप साथे सरकार की एजेंसियों से जुड़ सकते हैं। इसके

लिए रांची शहर के महत्वपूर्ण 50 चौक चौराहों पर पीले रंग का इमरजेंसी कॉल बॉक्स लगाया गया है। इसके लिए ना आपको मोबाइल फोन की जरूरत है ना ही किसी नंबर को से आवाज आयेंगी, ताकि आप आपकी समस्या बता सकें। समस्या बताते ही स्मार्ट सिटी और पुलिस

बॉक्स होना चाहिए।

कॉम टीम अपकी मदद के लिए संबंधित एंजेसी से संपर्क कर आपको राहत दिलायेगा। इसके लिए ना आपको मोबाइल फोन की जरूरत है ना ही किसी नंबर को याद रखने की जरूरत। बस आपके आपास पीले रंग का बॉक्स होना चाहिए।

प्रधानमंत्री का परीक्षा पे चर्चा विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी पहल: राज्यपाल

जिला स्कूल के बच्चों और शिक्षकों के साथ राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के पारीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रारूप देखा।

आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि प्रधानमंत्री का परीक्षा पे चर्चा विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी पहल है। यह न केवल परीक्षा संबंधी तात्पर कम करने का मायथम है, बल्कि विद्यार्थियों को आनंदविश्वास और सकारात्मक सोच से आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रीदान करता है।

राज्यपाल सोमवार को रांची के अमर शहीद टाकुर विवानाथ शाहदेव मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (जिला स्कूल) के बच्चों एवं शिक्षकों के साथ प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को जिला स्कूल में जिसका नामकरण होता था, वह समाज का बहुत मेहमानी विद्यार्थी होते थे। हमारे विद्यार्थी एवं शिक्षक जिला स्कूल की उत्कृष्टता की दिशा में व्यापक रूप से कार्य करें। वे अन्य विद्यार्थियों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी से आहान किया कि

पढ़ाइं को केवल परीक्षा तक सीमित न रखें, बल्कि ज्ञान को आत्मसात करें। नियमित अध्यास करें, समय का सही प्रयोग करें एवं आत्मविश्वास बनाये रखें।

परीक्षा को एक अवसर की तरह देखना चाहिए

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेसे इस बात पर बल देते हैं कि हमें परीक्षा को एक अवसर की तरह देखना चाहिए, न कि किसी दबाव की तरह। हार

किया कि इसका लिए ना आपको मार्फत नहीं होती है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने

सभी से संबंध रखने के लिए एवं आपको राज्यपाल की तरह देखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि इसका लिए एवं आपको मार्फत नहीं होती है।

उन्होंने

संपादकीय

अब 'आप' का क्या होगा

दि ल्ली विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए खुशियों का कमल खिला दिया है, वही शून्य का बैटेक लगाने वाली कांग्रेस को भी आम आदमी पार्टी (आप) की हार सुनिश्चित करने का संतोष मिला है।

लेकिन जो बात इन चुनाव नतीजों को ऐतिहासिक बनाती है, वह है आदेलन से निकली पार्टी आप का हाश्र। उसकी इस हार के विपक्षी ब्लॉक आइएनडीआई पर पड़ने वाले गंभीर असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

सबसे मुश्किल दौरी : वैसे, लोकतंत्र में किसी पार्टी के लिए चुनाव हार कर सत्ता से बाहर होना को अनोखी बात नहीं है। फिर उसे इन नतीजों में विपक्ष का लगभग सफाया कर देने वाली आम आदमी पार्टी भले ही सत्ता से बाहर हो गयी हो, लेकिन 43.57% वोट उसे इस बार भी मिले हैं।

22 विधायक भी निवारित हुए हैं उनके। यानी मजबूत विपक्ष की भूमिका में वह अब भी बनी रहेगी। फिर भी इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इन नतीजों के बाद पार्टी अब तक के आम सबसे मुश्किल दौर में आ गयी है।

साथ पर सवाल : आदेलन से निकली इस पार्टी की ताकत

वह थी कि इसने

वैकल्पिक राजनीति

के स्पनों को पंख

दिये थे। इसके सबसे

बड़े नेता अरविंद

के जरीवाल ईमानदारी

और सादगी के

पेस्टर बाबू बन कर

उपरे थे, लेकिन

हाल के दिनों में न

केवल के जरीवाल

की उस साख पर

चोट लगी, बल्कि वैकल्पिक राजनीति का पार्टी का दावा भी

कमज़ोर पड़ा।

क्या है जोखिम : पार्टी के केंद्र में हमेशा से केजरीवाल ही रहे। पूरी पार्टी को एकजुट रखने वाले सबसे मजबूत फैटर भी वही थे। अब न केवल दिल्ली की सत्ता उनके हाथ से चली गयी है, बल्कि वह खुद अपना चुनाव भी हार गये।

उन पर कई मुकदमे भी चल रहे हैं। ऐसे में पार्टी के विवरावर का खतरा मंडरा रहा है। देखना होगा कि पार्टी इस खतरे से कैसे निपटती है।

आजादेनडीआई पर असर: दिल्ली के इन चुनावों में जिस तरह से आप और कांग्रेस आमने-सामने दिखी और विपक्षी गठबंधन के कई प्रमुख घटक दल आप का स्पष्ट रूप से पक्ष लेते दिखे, उसके बाद इस विवाद का बढ़ना लगभग तय है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के उस टीवी से यह और स्पष्ट हो गया जिसमें उन्होंने दोनों पार्टीयों पर तंज करते हुए कहा था और लड़ो आपस में। देखना होगा कि विपक्षी खेड़े का यह विवाद कितना आगे बढ़ता है और गठबंधन इससे कैसे निपटता है।

परीक्षा के समय दबाव और तनाव को दूर करने के सभी घरणों को सिखाया जाना चाहिए।

अभिमत आजाद सिपाही

एक बच्चे की प्राकृतिक प्रतिभा को निखारना और उसकी पसंद के शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में एचनालक रूप से शामिल करना हमारी भूमिका एक अलग पहचान दी है। यिथको और नीति निर्माताओं के लिए हमारी भूमिका एक अलग पहचान है।



धर्मेन्द्र प्रधान

प्रधान ने अपनी अभीम बुद्धि से प्रत्येक मनुष्य को एक अलग पहचान दी है। हमारी उंगलियों के निशान से लेकर आंखों की पुरुषीयों तक, हमारे अनुभव से लेकर विचारों तक, हमारी प्रतिभाओं से लेकर उपलब्धियों तक। मानवीय विशिष्टता के बारे में यह गहन सत्य हमारे समाज की विशेषता रही है और हमारी शिक्षा प्रणाली को इस विशेषता को प्रतिविवित करना चाहिए। प्रत्येक बच्चे में कुछ जमजात प्रतिभा होती है, कुछ शैक्षिक प्रतिभा से चमकते हैं, अन्य रचनात्मकता के लिए तत्पर होते हैं, कई अन्य एथलीटिक और ऐश्वर्य कौशल से युक्त होते हैं। इस विशिष्टता को दर्शाना हुए, स्वामी विवेकानन्द ने एक बार कहा था कि शिक्षा मनुष्य में पहले से मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है।

एक बच्चे की प्राकृतिक प्रतिभा को निखारन और उसकी पसंद के शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में रचनात्मक रूप से शामिल हमारे शैक्षणिक संस्थानों के समाने कठिन चुनौतीय होती है।

निर्माताओं के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना ही चाहिए।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रधानमंत्री के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनुष्ठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुनौतीय होती है।

प्रध

गुमला

जामडीह राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों को मिली विदाई



कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा प्रबुद्ध क्षेत्र अंतर्गत गांव जामडीह राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय जामडीह में कक्षा दसवीं के छात्र छात्राओं को विदाई दी गयी। इस कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां पेश किया। प्रशान्नायापक विजय नगर ने आगामी बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाला छात्रों के बीच एडमिट कार्ड वितरण किया और शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम के मुख्य अधिकारी विद्यालय प्रबुद्ध समिति की अधिकारी सरसवी कुमारी रही तथा कार्यक्रम में गांव के अन्य गणनार्थी विद्युत रहे।

घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दवा का वितरण



घाघरा (आजाद सिपाही)। फाइलेरिया उन्मूलन अधियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा साहित प्रबुद्ध के सभी आगनबाड़ी कर्मी द्वारा दवा का वितरण किया गया। इस क्रम में फाइलेरिया रेग से बचाव के लिए लोगों को दवा खिलायी गयी। साथ ही इसके लाभों के बारे में जानकारी दी गयी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा के विकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि फाइलेरिया मच्छरों के काटने से फैलने वाला गंभीर रोग है। जो समय पर दवा लेने से रोका जा सकता है। इस अधियान का उद्देश्य क्षेत्र को फाइलेरिया मुक्त बनाना है। गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों को छोड़कर बाकी सभी विद्युतों के बह दवा लेनी है। मौके पर कई लोग उपस्थित थे।

देव कांप्लेक्स में देव मेडिकल हॉल का उद्घाटन



सिसरई (आजाद सिपाही)। मन रोड स्थित देव कॉम्प्लेक्स स्टेट थैंक ऑफ इंडिया के बगल में देव मेडिकल हॉल का उद्घाटन पूजा अंतर्ना कर मुख्य अधिकारी किंग बाबा बैजनाथ जालान कलेज के प्रधानाचार्य डॉ अमिताभ भरती, पूर्व शिक्षक पीताम्बर झा, समाजसेवी भगवान दास के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य उत्तरी विजयलक्ष्मी कुमारी बैजनाथ जालान कलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ आदित्य विद्यमान पूजा देव, पूर्व एप्र मुख्य दीपक अधिकारी, समाजसेवी रोहित शर्मा, रामावतार जायसवाल, साहू प्रकाश लाल, प्रोफेसर सुरेश साहू, एवं लैंड गणनार्थ लोग उपस्थित थे।

दिव्य ज्योति कलश यात्रा आज गुमला में

गुमला (आजाद सिपाही)। गायत्री परिवार के संस्थापक आवार्य पडित श्रीराम शर्मा एवं माता जी के अंखंद हृष्प के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकूज हरिद्वार के तत्वावधान में पूरे भारतवर्ष में दिव्य ज्योति कलश यात्रा का रथ परिष्कार कर रहा है। इस रथ यात्रा का 11 फरवरी की गुमला की धरती पर सुख 11 बजे बड़ाइक मुहल्ला रित गायत्री शक्तिपीठ गुमला में आगमन हो रहा है। जानकारी देते हुए मीडिया प्रबारी सुनील कुमार दास ने लोगों से अपील की है कि गुमला के सभी श्रद्धालुण् इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ गुमला में आकर कलश यात्रा रथ का दर्शन एवं पूजन कार्यक्रम से भाग ले।

बाइक के टक्कर से बच्चा घायल, शिकायत दर्ज



गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के पालकोट रोड स्थित भारतीय स्टेट थैंक ऑफ इंडिया के बगल में देव मेडिकल हॉल का उद्घाटन पूजा अंतर्ना कर मुख्य अधिकारी किंग बाबा बैजनाथ जालान कलेज के प्रधानाचार्य डॉ अमिताभ भरती, पूर्व शिक्षक पीताम्बर झा, समाजसेवी भगवान दास के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य उत्तरी विजयलक्ष्मी कुमारी बैजनाथ जालान कलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ आदित्य विद्यमान देव, पूर्व एप्र मुख्य दीपक अधिकारी, समाजसेवी रोहित शर्मा, रामावतार जायसवाल, साहू प्रकाश लाल, प्रोफेसर सुरेश साहू, एवं लैंड गणनार्थ लोग उपस्थित थे।

देवकी देवी ने गुमला शहर की समस्याओं के निराकरण के लिए सीएम को सौंपा ज्ञापन



गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश प्रतिज्ञा महिला एसोसिएशन की अध्यक्ष देवकी देवी ने सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन देकर गुमला शहर की समस्याओं के निराकरण की मांग की है। मुख्यमंत्री का आवेदन देकर देवकी देवी ने बताया कि शहर के जशपुर रोड डेली मार्केट में सभी बैचकर जीवन यात्रा करने वाली महिलाओं को उत्तर स्थान से हटाने का अटीमेटम दिया गया है। जहां इन्हें हटाकर नर्सी लगाने का प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है। उन्हें इस स्थान पर सभी बैचकर गुमला जिला को रेल लाइन से जोड़ा जाये। विरसा मुद्रा एप्र पार्षद में पूर्व की भाँति सभी सुविधा बढ़ाव की जाये। गुमला जिला को नेशनल मुक्त बनाने के लिए उपायुक्त महोदय के दिशा निर्देश में सभी मुखिया, वार्ड पार्षद, नेतागण, सामाजिक राजनीतिक बुद्धिजीवी, पंचायत प्रतिनिधि वी बैठक बुलाकर नेशनल मुक्त गुमला बनाने के लिए आवश्यक पहल की जाये। काम की ताला में गांव से शहर पहुंच कर प्रतिदिन मजदूरी करने वाले फिल्डी मजदूरों के लिए सेंड की व्यवस्था की जाये। सरकारी शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त एवं सरकारी विकित्सा व्यवस्था को आम जनों के लिए सहज, सरल और बेहतर ढंग से स्थापित करने की पहल की जाये।

गुमला में मैट्रिक के 55 परीक्षा केंद्र बने

आजाद सिपाही संवाददाता



गुमला। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी द्वारा जैक द्वारा संचालित माध्यमिक और इंटरमीडिएट के बोर्ड परीक्षा के निमित प्रतिनियुक्ति किये गये सभी दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों सहित पेंट्रलिंग दल के मजिस्ट्रेट के साथ पारदर्शी पूरक एवं शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षाओं को आयोजन को लेकर बैठक करते हुए उचित दिशा निर्देश दिये गये। जात हो कि बोर्ड परीक्षाओं तरीके से परीक्षाओं को आयोजन को लेकर बैठक करते हुए उचित दिशा निर्देश दिये गये। जात हो कि बोर्ड परीक्षाओं को आयोजन को लेकर बैठक करते हुए उचित दिशा निर्देश दिये गये।

पारदर्शी तरीके से परीक्षा आयोजन परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के संधारण के लिए निर्देश दिये गये हैं तथा कोगार में ब्रजगृह बनाते हुए परीक्षार्थी को शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षार्थी को आयोजन को लेकर बैठक करते हुए उचित दिशा निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था के लिए निर्देश दिये गये।

परीक्षार्थी को अनुमंडल स्तरीय एवं विधि व्यवस्था क

